पाठ्यक्रम

अर्थशास्त्र पेपर - 2

इकाई - I: भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत में आर्थिक विकास: पैटर्न और संरचना। भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएँ - गरीबी, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, क्षेत्रीय असमानताएँ। भारतीय जनसंख्या और जनसंख्या नीति की विशेषताएँ। भारत में खाद्य सुरक्षा। समावेशी विकास। कृषि विकास और नीतियाँ। भारत में कृषि ऋण: किसान क्रेडिट कार्ड, माइक्रो फाइनेंस प्रोग्राम- SHG और बैंक लिंकेज प्रोग्राम। राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना। औद्योगिक विकास और नीतियाँ। सेवा क्षेत्र की वृद्धि। भारत में आर्थिक सुधार, वित्तीय क्षेत्र में सुधार। RBI और मौद्रिक नीति। विमुद्रीकरण, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव। वैश्विक आर्थिक मंदी और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव। विदेशी व्यापार: रुझान, संरचना और दिशा, हाल के वर्षों में भारत की भुगतान संतुलन की स्थिति, WTO: मुद्दे और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव। नीति आयोग का विकास। भारत सरकार के प्रमुख प्रमुख कार्यक्रम। प्रवासन- नीतिगत मुद्दे, वैश्वीकरण और व्यापार नीति। ग्रामीण विकास कार्यक्रम, द्विपक्षीय व्यापार समझौता और भारत पर उनके निहितार्थ।

इकाई - II: मात्रात्मक तकनीक

आंकड़ों का आरेखीय, चित्रमय और सारणीबद्ध निरूपण, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, फैलाव, तिरछापन और कुर्टोसिस, सरल सहसंबंध, आंशिक और बहु-सह-संबंध, समय श्रृंखला। समय श्रृंखला के घटक, प्रतिगमन विश्लेषण, संभाव्यता- परिभाषा, जोड़ और गुणा के प्रमेय, सशर्त संभाव्यता, बेयस प्रमेय। द्विपद, पॉइसन और सामान्य वितरण। नमूनाकरण तकनीक। अनुमान: अच्छे अनुमानक के गुण, बिंदु और अंतराल अनुमान, त्रुटियों के प्रकार, महत्व का स्तर और परीक्षण की शक्ति। परिकल्पना परीक्षण- Z, t, ची-स्क्वायर और F परीक्षण। विशेषताओं का संघ, विचरण का विश्लेषण। मैट्रिसेस, निर्धारक, विभेदन, सरल और आंशिक विभेदन एकीकरण- अर्थशास्त्र में उनके अनुप्रयोग। अनिश्चित और निश्चित एकीकरण, अप्रतिबंधित और विवश अनुकूलन। रैखिक प्रोग्रामिंग, गेम थ्योरी, इनपुट-आउटपुट विश्लेषण।

इकाई - III: सार्वजनिक अर्थशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

सामाजिक, योग्यता, मिश्रित, क्लब माल। सार्वजनिक व्यय- वाइसमैन-पीकॉक परिकल्पना, लेविथान परिकल्पना, निस्केनन मॉडल, सार्वजनिक-विकल्प सिद्धांत, सार्वजनिक राजस्व - सिद्धांत, प्रभाव। कराधान: कराधान की घटना, प्रभाव और परिणाम। दोहरे कराधान की समस्या। करों की लोच और उछाल। भारत में कर चोरी और समानांतर अर्थव्यवस्था की समस्या। कर सुधार, जीएसटी और भारत के लिए इसके निहितार्थ। भारत में सब्सिडी के मुद्दे। सार्वजनिक ऋण - स्रोत, बोझ, प्रभाव और इसका प्रबंधन। केंद्र-राज्य वित्तीय संबंध, राजकोषीय नीति: तटस्थ, प्रतिपूरक और कार्यात्मक वित्त। सार्वजनिक उद्यम और सार्वजनिक उपयोगिताएँ। बजट घाटे की अवधारणा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत- तुलनात्मक लागत, अवसर लागत। हेक्स्चर-ओहलिन सिद्धांत, कारक मूल्य समानीकरण प्रमेय। व्यापार की शर्तें। भुगतान संतुलन।